CHAPTER 9, भारत माता

PAGE 116, प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ

11:1:9:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:1

1. भारत की चर्चा नेहरू जी कब और किससे करते थे?

उत्तर: नेहरू देश के हर कोने में आयोजित विभिन्न समारोहों में जाते थे और वे हर जगह भारत की चर्चा करते थे। खासकर किसानों की सभाओं में या जहाँ भी किसान भाई मौजूद होते थे। वे अपने गांवों तक सीमित किसानों के दृष्टिकोण को विकसित करना चाहते थे। वे चाहते थे कि देश का हर किसान खुद को भारत का किसान समझे न कि केवल गांव का।

11:1:9:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:2

2. नेहरू जी भारत के सभी किसानों से कौन-सा प्रश्न बार-बार करते थे?

उत्तर : नेहरु जी भारत के सभी किसानों से निम्नलिखित प्रश्न

बार-बार करते थे:

1. “भारत माता की जय” नारे का अर्थ क्या है ?
2. यह भारत माता कौन है जिसकी वे जय चाहते हैं?
3. कौन सी धरती को वे ‘भारत माता’ कहते हैं? गाँव की,जिले की, सूबे की या पूरे हिंदुस्तान की?

11:1:9:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ:3

3. दुनिया के बारे में किसानों को बताना नेहरू जी के लिए क्यों आसान था?

उत्तर : दुनिया के बारे में किसानों को बताना नेहरु जी के लिए आसान था क्योंकि-

क. वे भारत के पुराणों और महाकाव्यों को पढ़कर भारत के शहरों से परिचित थे।

ख. तीर्थयात्रा कर देश के चारों कोनों से परिचित हो गए थे।

ग.उन्हें कुछ पुराने सैनिक मिले थे, जिन्होंने युद्धों या धावकों में विदेशी नौकरियां की थीं।

घ.जानकारी देशों के बारे में थी।

11:1:9:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:4

4. किसान सामान्यतः भारत माता का क्या अर्थ लेते थे?

उत्तर : किसान आमतौर पर पृथ्वी से 'भारत माता' का अर्थ लेते थे। नेहरूजी ने उन्हें समझाया कि उनके गाँव, जिले, नदियाँ, पहाड़, जंगल, खेत, करोड़ों भारतीय सभी भारत माता हैं।

11:1:9:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ: 5

5. भारत माता के प्रति नेहरू जी की क्या अवधारणा थी?

उत्तर : भारत माता के प्रति नेहरू जी की अवधारणा थी कि भूमि, पहाड़, जंगल, नदी, खेत आदि के साथ-साथ करोड़ों लोग भारत माता हैं। भारत जितना हम समझ सकता है, उससे भी आगे है। यह भारत अधिक व्यापक है। "भारत माता की जय" का अर्थ है यहां के लोगों की जय।

11:1:9:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:6

6. आज़ादी से पूर्व किसानों को किन समस्याओं का सामना

करना पड़ता था?

उत्तर : आज़ादी से पूर्व किसानों को निम्नलिखित समस्याओं का सामना करना पड़ता था-

क. ग़रीबी और क़र्ज़ ।

ख. पूंजीपतियों,ज़मींदारों और महाजनों द्वारा ज़्यादा क़र्ज़ लेने और लूटने की समस्या ।

ग.पुलिस का अत्याचार ।

घ.लगान की समस्या और बोझ।

PAGE 116, प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास

11:1:9:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:1

7. आज़ादी से पहले भारत-निर्माण को लेकर नेहरू के क्या सपने थे? क्या आज़ादी के बाद वे साकार हुए? चर्चा कीजिए।

उत्तर : आज़ादी से पहले भारत-निर्माण को लेकर नेहरु जी के निम्नलिखित सपने थे:

1. देश की ग़रीबी दूर करना ।

2. किसानों की समस्याओं का अन्त करना।

3. देश में औद्योगिक क्रान्ति लाना।

4. भारत की चहुंमुखी उन्नति करना आदि।

नेहरू जी के ये सपने पूरे नहीं हुए लेकिन उन्हें पूरा करने की कोशिशें जारी हैं।

11:1:9:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:2

8. भारत के विकास को लेकर आप क्या सपने देखते हैं?

उत्तर: भारत के विकास को लेकर मेरा निम्नलिखित सपना है:

क. सभी नागरिकों को भोजन, वस्त्र और आश्रय जैसी बुनियादी सुविधाएं और संसाधन आसानी से मिलने चाहिए।

ख. सभी को शिक्षा और अवसर का समान अधिकार होना चाहिए।

ग.हमारा देश कृषि प्रधान है, इसलिए कृषि में विकास के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्रों में भी विकास हो रहा है ताकि लोगों को रोजगार मिले।

घ.भारत एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बन गया।

ङ.देश में तकनीकी क्रांति का समय आ गया है, अगर ऐसा होता है तो हम दुनिया में सर्वश्रेष्ठ होंगे।

च.देश में शांति और सद्भाव कायम है।

11:1:9:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के आसपास: 3

9. आपकी दृष्टि में भारत माता और हिंदुस्तान की क्या संकल्पना है? बताइए।

उत्तर: भारत की सभ्यता और संस्कृति, हरी पृथ्वी, नदी, पहाड़, जंगल, पशु, पक्षी, अरबों लोग, यहाँ की परंपराएँ, यहाँ का कला साहित्य आदि भारत माता और हिंदुस्तान की अवधारणा हैं।

11:1:9:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:4

10. वर्तमान समय में किसानों की स्थिति किस सीमा तक बदली है? चर्चा कर लिखिए?

उत्तर : यदि हम आजादी से पहले और बाद की स्थिति की

तुलना करते हैं, तो हम कह सकते हैं कि आज किसानों की स्थिति में बदलाव आए हैं।

अब वे अपने खेतों के मालिक हैं। उन्हें अब कोई लगान नहीं देना पड़ता है। उन्हें सूखे या बाढ़ के मामले में मुआवजा मिलता है। सरकार द्वारा उनकी फसलों की खरीद के लिए न्यूनतम मूल्य की घोषणा होती है। अच्छे बीज, उर्वरक, कीटनाशक, बिजली, पानी आदि पर सरकार सभी को भारी सब्सिडी देती है।

अब उसे भूखों नहीं मरना है। खेती के साथ-साथ वह छोटे कुटीर उद्योग लगा सकते हैं। अब उन्हें महाजनों, जमींदारों और पुलिस के अत्याचारों को नहीं झेलना पड़ता। हालांकि किसान आज भी आत्महत्या कर रहा है और दूसरों के लिए भोजन देने वाला आज बिना भोजन के मरने को मजबूर है। हालाँकि, उनकी हालत का एक कारण आज किसानों का खेती से अलग होना और गाँव से पलायन भी है।

11:1:9: प्रश्न - अभ्यास - पाठ के आसपास: 5

11. आज़ादी से पूर्व अनेक नारे प्रचलित थे। किन्हीं दस नारों का संकलन करें और संदर्भ भी लिखें।

उत्तर:

1. तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा - सुभाष चन्द्र बोस- सशस्त्र क्रान्ति का आह्वान।
2. इन्क़लाब-जिंदाबाद- क्रांति को बढ़ावा देने ।
3. वन्देमातरम्-बंकिमचंदचटर्जी- आज़ादी के समय क्रांतिकारियों का मन्त्र।
4. दिल्ली चलो- सुभाष चन्द्र बोस- अंग्रेजों को सत्ता से बाहर करने के लिए ।
5. अंग्रेजों भारत छोड़ो- देश की आज़ादी के लिए नारा ।
6. करो या मरो - महात्मा गांधी -"भारत-छोड़ो आन्दोलन"।
7. स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है - लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक- अंग्रेजों के खिलाफ बिगुल।
8. साइमन वापस जाओ- लाला लाजपत राय- साइमन कमीशन का बहिष्कार ।
9. हिन्दी,हिन्दू,हिंदुस्तान- प्रताप नारायण मिश्र- राष्ट्रीय एकता

हेतु।

10. स्वदेशी अपनाओ -एनीबेसेंट- विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने के लिए।

PAGE 116, प्रश्न - अभ्यास - भाषाकीबात

11:1:9:प्रश्न - अभ्यास - भाषाकीबात:1

1. नीचे दिए गए वाक्यों का पाठ के संदर्भ में अर्थ लिखिए - दक्खिन, पच्छिम, यक-साँ, एक जुज, ढढ्ढे

उत्तर :

दक्खिन - दक्षिण-प्रान्त,केरल,तमिलनाडु,कर्नाटक,आंध्र-प्रदेश।

पच्छिम - पश्चिम प्रान्त-गुजरात,महाराष्ट्र,राजस्थान।

यक-साँ- एक जैसा।

एक-जुज़- एक अंश ।

ढड्ढे- बोझ ।

11:1:9:प्रश्न - अभ्यास - भाषा की बात:2

2. नीचे दिए गए संज्ञा शब्दों के विशेषण रूप लिखिए -

आज़ादी, चमक, हिंदुस्तान, विदेश, सरकार, यात्रा, पुराण, भारत

उत्तर :

<u>संज्ञाविशेषण</u>

आज़ादी	आज़ाद
चमक	चमकीला
हिंदुस्तान	हिन्दुस्तानी
विदेश	विदेशी
सरकार	सरकारी
यात्रा	यात्री
पुराण	पौराणिक
भारत	भारतीय